

रांची में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का भव्य स्वागत, सांसद संजय सेठ ने सौंपा ज्ञापन बिरसा मुंडा के नाम पर हो रांची स्टेशन का नामकरण : संजय सेठ

हुटिया में दोनों ओवर ब्रिज के लिए 15 दिन में डीआरएम का प्रस्ताव भेजने को कहा। सांसद ने गंभीर को दिया वन स्टेशन-वन लोकल फ्लूट का सुझाव।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के मंगलवार के रांची दौरे के दौरान सांसद संजय सेठ ने उनका भव्य स्वागत किया। सांसद ने रांची और झारखण्ड को रेलवे के द्वारा दी गयी सुगंगतों के लिए एंटी का आभार जताया। इस दौरान सांसद ने गंभीर को एक आग्रह पत्र भी दिया। इस आग्रह पत्र में सांसद ने रेलमंत्री से कहा कि प्रधानमंत्री नंदें घोषी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयती को जनजीवी गैरव दिवस घोषित किया है, यह हम सबके लिए गैरव की बात है। इसका गैरव बढ़ाने के लिए क्षेत्र की जनता की स्टेशन का नाम धरती बाबा किया जाये। वर्तमान समय में इस



8नामकृम घाट पास अंडर पास बने

सांसद ने कहा कि स्वरिया नदी पर नामकृम घाट स्थित है, जहां श्रावण और छठ महापर्व में बड़ी संख्या में लोग उत्सव मनाते हैं। इस घाट पर जाने का एकमात्र सासा था, जिसे रेलवे के द्वारा बंद कर दिया गया है। श्रावण मास में इस सासे को 2 महीने के लिए खुलवाया गया था और अभी छठ के समय में भी इसे 2 दिन के लिए खुलवाया गया। यह एक महत्वपूर्ण विषय है। यहां एक बड़े अंडरपास की आवश्यकता है ताकि क्षेत्र की जनता का आवासन सुगम हो सके। रांची स्टेशन के समीप पुण्डर-भागलपुर बस्ती है। जहां 25000 से अधिक लोग आवादी रहते हैं। यह आवादी अपने दैनिक कार्यों के लिए पहले रेती पर कर आना-जाना करती थी। रेती की गति बढ़ने के कारण ऐसे ग्रामों को बंद कर दिया गया है, जिससे इस क्षेत्र की आवादी का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। यहां रेलवे अंडरपास या बाईपास का निर्माण आवश्यक है।

अभिलाषा है कि रांची रेलवे भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर स्टेशन के पुनर्विकास का भी स्टेशन का नाम धरती बाबा किया जाये। वर्तमान समय में इस कार्य हो रहा है। इसमें नये स्टेशन

परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा लगे।

नामकृम, टाटीसिलवे, मैकल्ट्यूस्कैंपंग और सिल्लो इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्टेशन हैं। कोरोना काल में हुए लॉकडाउन के पूर्व यहां कई द्वेरों का ठहराव होता था। वर्तमान समय में कई द्वेरों का ठहराव यहां बंद है। लॉकडाउन से पूर्व यहां लोगों द्वेरों का ठहराव होता था, उन सबका ठहराव पुकार: आरंभ किये जाने की आवश्यकता है।

चुटिया में ऑवरब्रिज का जल्द निर्माण हो: सांसद ने कहा कि राजधानी रांची का महत्वपूर्ण क्षेत्र चुटिया है, जहां रेलवे ऑवरब्रिज के निर्माण की मांग वित्त बंद कर्त्तव्य के दशकों से होती रही है। रेलवे ऑवरब्रिज नहीं होने के कारण रेलवे फाटक के सम्पूर्ण लंबा जाम लगता है। प्रतिदिन 1 लाख से अधिक की आवादी से प्रभावित होती रही है। इस पर भी साथक पहल किये जाने की आवश्यकता है।

भी सेट ने कहा कि देश की कोलाया राजधानी धनबाद, स्टील एड की तरफ पड़ते करारी जाये। ताकि सामान्य चिकित्सा की जानकारी की राजधानी रांची को जरूरत पड़ने पर यात्रियों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

आवश्यकता है। इस पर मंत्री ने 15 दिन के अंदर प्रस्ताव मंगवाने की बात कही।

वर्ही सांसद ने रांची से दक्षिण भारत जाने के लिए धनबाद से चलने वाली एलेप्पी एक्सप्रेस एकमात्र सहारा है। इस ट्रेन से बड़ी संख्या में लोग रोजी रोजगार, शिक्षा और आवादी की जानकारी दें। सांसद ने लिए आवाजारी करते हैं। इस ट्रेन की विशिष्टता यह है कि वेटिंग टिकट की लाइन लगातार लंबी होती जा रही है, ऐसे में रांची से काठपाड़ी तक एक नवी ट्रेन चलाये जायें की आवश्यकता है।

सांसद ने मंत्री को यह भी सुझाव दिया कि सभी द्वेरों में चलने वाले लीटीर्टी के गास फस्टर एड की तरफ उत्पलब्ध करायी जाये ताकि सामान्य चिकित्सा की जानकारी की राजधानी रांची को जरूरत पड़ने पर यात्रियों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

दक्षिण पूर्व रेलवे के लगभग सभी स्टेशनों का पुनर्विकास का कार्य चल रहा है। रेल महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधकों को यह निर्देश दिया जाना चाहिए कि प्रयोग मीठीने में मीटिंगों के साथ कार्फेस करें और क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं पर धूमधार लगायें।

कर्क वर्षीय उत्तराखण्ड की जानकारी देने के लिए धनबाद से बड़ी लोड लगता है। रेल महाप्रबंधक और कर्क वर्षीय उत्तराखण्ड की जानकारी देने के लिए धनबाद से बड़ी लोड लगता है।

सिंह अधिक-व्यापारिक विद्युतियां लगायें, धनबाद-प्रत्यावर्ती परियां विद्युतियां लगायें।

कन्या अधिक विद्युतियां लगायें, धनबाद-प्रत्यावर्ती परियां विद्युतियां लगायें।

तुला विद्युतियां लगायें, धनबाद-प्रत्यावर्ती परियां विद्युतियां लगायें।

वृश्चिक धनबाद-प्रत्यावर्ती परियां लगायें, धनबाद-प्रत्यावर्ती विद्युतियां लगायें।

धनु विद्युतियां लगायें, धनबाद-प्रत्यावर्ती विद्युतियां लगायें।

मकर जानकारी देने के लिए धनबाद से बड़ी लोड लगता है।

कृष्ण विद्युतियां लगायें, धनबाद-प्रत्यावर्ती विद्युतियां लगायें।

गो धनबाद-प्रत्यावर्ती विद्युतियां लगायें, धनबाद-प्रत्यावर्ती विद्युतियां लगायें।

राज्य में 39 बीड़ीओं की हुई ट्रायाफर-पॉस्टिंग

रांची (आजाद सिपाही)। झारखण्ड

सरकार के ग्रामीण विकास विभाग की तरफ से बीड़ीओं स्टर के 39 अधिकारियों का तबादला किया गया है। इसकी अधिकारियों के तबादला ग्रामीण विकास के आगमन को लेकर उपराजनपाल कुमारी की ओर से जारी की गयी है। अधिकारियों के तबादला के बाद विभाग के सामान्य विकास के आगमन को लेकर गोपलाडीह फुटबॉल मैदान में जानकारी देने के लिए आवश्यकता है।

बरहेट के गोपलाडीह फुटबॉल मैदान में जानकारी को संबोधित कर करोड़ों की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास एवं परिसंपत्तियों का विवरण भी करें।

उक्त जानकारी झामुपोर प्रखण्ड अध्यक्ष राजसाम भरांडी ने दी।

सीएम के आगमन को लेकर गोपलाडीह फुटबॉल मैदान में समेत विभिन्न योजनाओं का जालियान द्वारा तैयारियां शुरू करना चाहिए। योजनाएं के सामान्य विकास के लिए लोकान्तर द्वारा तैयारियां शुरू करना चाहिए।

प्रदूषण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हर उत्तरांश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रदूषण की नया बीड़ीओं बालाया गया है। प्रदूषण के लिए धनबाद के बलियापुर की बीड़ीओं बालाया गया है।

हाजारीगंग सरकर की बीड़ीओं गुंजन कुमारी सिन्धा, गिरिडीह के सारिया की बीड़ीओं पालयन राज, साई देव राजाखण्ड की व्याख्याता रोहित सिंह की सेवा कार्यक्रम, प्रशासनिक संस्थाएं तथा राजभास विभाग (झारखण्ड) को वापस कर दी गयी हैं।

देमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव यास्पीन फारस्की समेत रांची उपयुक्त, एसएसपी, मुख्य सचिव, एनआइए, इडी की प्रतीक्षाएं बनायी जाएं।

अदालत से मामले की प्रतीक्षा कर राज झारखण्ड के अंदर जानकारी देने का आग्रह किया गया है। याचिका की अपेक्षा जानकारी देने का आग्रह किया गया है।

अदालत से मामले की प्रतीक्षा कर राज झारखण्ड के अंदर जानकारी देने का आग्रह किया गया है। याचिका की अपेक्षा जानकारी देने का आग्रह किया गया है।

अदालत से मामले की प्रतीक्षा कर राज झारखण्ड के अंदर जानकारी देने का आग्रह किया गया है। याचिका की अपेक्षा जानकारी देने का आग्रह किया गया है।

अदालत से मामले की प्रतीक्षा कर राज झारखण्ड के अंदर जानकारी देने का आग्रह किया गया है। याचिका की अपेक्षा जानकारी देने का आ

संपादकीय

वेलडन टीम इंडिया

अ हमाबाद के नेंद्र मोटी स्टेडियम में रविवार को खेले गये वर्ल्ड कप फाइनल का नंतरी देशवासियों को वह खुशी नहीं दे पाया, जिसका करोड़ों अंच्छे इंतजार कर रही थीं, लेकिन वह क्रिकेट का ऐसा पहलू है, जो इस खेल को खेल बनाये रखता है। इसमें जीत-हार से अग्र जाता है, वह सबल कि कौन खेल कैसा। और इस कसौटी पर देखें तो फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम निश्चित रूप से अच्छा खेली, जिसका इनाम उसे जीत के रूप में मिला था, लेकिन बात पूरे वर्ल्ड कप को करें तो टीम इंडिया को बराबरी में शायद ही कोइं दूसरी टीम दिखेगी। 11 में से दस मुकाबले उसने न केवल जीते, बल्कि अपने उत्कृष्ट खेल से तमाम खेल प्रेमियों को चकित करती रही। अपनी अंच्छों की तरफ टीम को खेलते, खिलते और चमकते हुए शिखर की ओर बढ़ते देखना हर भारतीय के लिए अंच्छे जुड़ने वाला अनुभव साबित हो रहा था। एक मैच की जीत-हार, भले वह फाइनल ही क्यों न हो, देशवासियों से उस अनुभव का रोपांच नहीं छीन सकती। खास कर इन्हीं भी कि उस टीम के खुलने, खिलने और चमकने में इंडिया या भारत के खुलने, खिलने और चमकने की कहानी भी बयां हो रही थी, जो विविधता इस टीम में दिख रही थी, वही भारत है। उस विविधता की चपक में ही देश की चमक छिपी हुई है। कैसे भूल सकते हैं कि शुभान गिल पंजाब के सुदूर बसे एक ऐसे गांव से आते हैं, जो पाकिस्तान बांदर से महाराष्ट्र 8 किलोमीटर दूरी पर रहता है, रवंद्र जाडेजा के पिता जामनगर में वैचान का काम करते थे और मोहम्मद सिराज हैदरबाद में ऑस्ट्रेलिया चलाया करते थे। देशवासियों के हर हिस्से और हर तरफ के खुन और पसीने से मिल कर बनी है यह टीम। फाइनल मैच का नंतरी इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि रोहित शर्मा एक ऐसे कदान के रूप में उभेर है, जो हमेशा टीम को खुद से अंग रखता है। न ही वह तथ्य बदल सकता है कि विराट कोहली और मोहम्मद शमी ने खुद जीकर सिखाया है कि कैसे अपने खेल को निरंतर मांतज रखते हुए अपना बेटर वर्जन पेश किया। इन तमाम उल्लंघनों के बीच एक देश के रूप में हमें इस वर्ल्ड कप से मिले कुछ उन सबकों को भी याद रखना होगा, जो बताते हैं कि हममें कई बिंदुओं पर सुधार की जरूरत है। खास कर वह कि धर्म, जाति और क्षेत्र का चर्चा अवश्य हमारे क्रिकेट के प्यार को धूमिल कर देता है। चाहे वह अपने मोहम्मद शमी की किसी भूल से उपर्याकी नाराजी हो या पाकिस्तान जैसे देश की टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ लोगों को ओर से व्यक्त की गयी भावाका, फूटड ग्रिटिंग्स क्रिकेट स्पॉर्ट को कमज़ोर करती है। उस स्पॉर्ट को जो खेल को खेल की तरह लेना और उसे सेलिनेट करना सिखाती है।

अभिमत आजाद सिपाही

टीआइआइ की हालिया रिपोर्ट में एक दिलचस्प बात सामने आयी है कि अब अमेरिकी यूनिवर्सिटीयों में हर 4 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में से एक भारत से है, जबकि वास्तविक आंकड़ों से पता चलता है कि विदेश जाने वाले आइआइटी छात्रों की संख्या नें उल्लेखनीय विशेषता आयी है। इस वृद्धि का मुख्य कारण ट्रिप्यू-3 शहरों के छात्रों को जीत-हार से संकेत निलंगित है कि भारतीय परिवार 2025 तक अपने बच्चों की विदेशी शिक्षा पर अनुमति 70 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करेंगे।

भारत से छात्र विदेश क्यों जाते हैं

वी रामगोपाल राव

पिछले वर्ष विदेशी यूनिवर्सिटीयों में प्रवेश लेने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 7,50,000 से अधिक हो गयी, जो 2021 से उल्लेखनीय 50 प्रतिशत वृद्धि है। विशेष रूप से इनमें से एक-तिहाई से अधिक छात्रों ने अमेरिका को चुना, जो पिछले वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत की पायाव वृद्धि का सर्कित देता है। टीआइआइ की हालिया रिपोर्ट में एक दिलचस्प बात सामने आयी है कि अब अमेरिकी यूनिवर्सिटीयों में हर 4 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में से एक भारत से है, जबकि वास्तविक आंकड़ों से पता चलता है कि विदेश जाने वाले आइआइटी छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय विशेषता आयी है। इस वृद्धि का मुख्य कारण ट्रिप्यू-2 और ट्रिप्यू-3 शहरों के छात्रों को बताया गया है। अनुमानों से संकेत मिलता है कि भारतीय परिवार 2025 तक अपने बच्चों की विदेशी शिक्षा पर अनुमति 70 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करेंगे।

इस आर्थिक गतिशीलता को देखते हुए यह कोई आधार्य की बात नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय विदेशी विदेशीयाओं और चम्पांच की विदेशी शिक्षा पर अनुमति 70 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करेंगे।

भारतीय प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए अपनी छात्र और वीजा नीतियों में सुधार किया गया है। विशेष रूप से भू-राजनीतिज्ञ विचारों ने विदेशी दिग्गजों में शिक्षा प्राप्त करने वाले चीनी छात्रों की संख्या में गिरावट में भारतीय छात्रों को उल्लंघन किया गया है।

जबकि भारत तेजी से वृद्धि का अनुभव कर रहा है। छात्र विदेश क्यों जाते हैं? भारत को इस प्रवृत्ति पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए? शीर्ष प्रतिभाओं को बरकरार रखने के लिए क्या कदम उठाने की जरूरत है? व्या भारत को इस प्रतिशत है?

निम्न शिक्षा गुणवत्ता के कारण यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। जैसे-जैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए? शीर्ष प्रतिभाओं को बरकरार रखने के लिए क्या कदम उठाने की जरूरत है? व्या भारत को इस प्रतिशत है?

प्रतिक्रिया देने के लिए एक व्यवहार्य वित्तीय मॉडल की



भारत के स्कूलों में 265 मिलियन छात्र हैं जो, माध्यमिक शिक्षा में 80 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीडीआर) हासिल करते हैं। हालांकि लगभग 4 में से केवल 1 छात्र ही उच्च शिक्षा प्राप्त करता है, जिसके परिणामस्वरूप जीडीआर कीटब 27 प्रतिशत है।

प्रवृत्ति से लाभ हो सकता है? ऐसे सबल तो बहुत हैं, लेकिन जबाब उतने सीधे और सरल रहे हैं।

भारत के स्कूलों में 265 मिलियन छात्र हैं जो, वायराम क्षेत्रों में 80 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीडीआर) हासिल करते हैं। हालांकि लगभग 4 में से केवल 1 छात्र ही उच्च शिक्षा प्राप्त करता है, जिसके परिणामस्वरूप जीडीआर कीटब 27 प्रतिशत है।

निम्न शिक्षा गुणवत्ता के कारण यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। जैसे-जैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए? शीर्ष प्रतिभाओं को बरकरार रखने के लिए एक व्यवहार्य वित्तीय मॉडल की

अनुपरिश्वति के परिणामस्वरूप हमारे शीर्ष टैक्स वाले प्रतिवर्षों में ठहराव आ गया है। ये संस्थान दैनिक कारों के लिए खुद को पूरी तरह से सरकारी धन पर निर्भर होते हैं, जिससे उनकी स्वायत्ता पर प्रतिवर्ष प्रभाव पड़ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनडीपी) में उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत की बड़ी हुई सकल नामांकन अनुपात (जीडीआर) की वकालत के बावजूद, यह महत्वाकांक्षा राज्य या केंद्रीय स्तर पर संविधान बजट आवंटन में प्रतिवर्षीय स्थिति को पुनः प्राप्त करने के लिए एक नया रास्ता तैयार करें।

दानदाताओं को प्रोत्साहित करें

विदेश जाना

आंगनबाड़ी केंद्र का विधायक ने किया उद्घाटन



आजाद सिपाही संवाददाता

पोटक। राज्य में हेमत सरकार के कार्यकाल के दौरान पूर्वी खेलकूद सङ्कट, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए सिंहभूम जिले के पोटका विधानसभा क्षेत्र लगातार विकास की ओर अग्रसर है। विधायक ने इस वर्ष अपने बेटर वर्जन के उदाहरण के रूप में अंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण किया।

विधायक के पहल पर पोटका हरिना पंचायत के उदाहरण के लिए अपनी धर्म, जाति और क्षेत्र का चर्चा अवश्य हमारे क्रिकेट के प्यार को धूमिल कर देता है। चाहे वह अपने मोहम्मद शमी की किसी भूल से उपर्याकी नाराजी हो या पाकिस्तान जैसे देश की टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ लोगों को ओर से व्यक्त की गयी भावाका, फूटड ग्रिटिंग्स क्रिकेट स्पॉर्ट को कमज़ोर करती है। उस स्पॉर्ट को जो खेल को खेल की तरह लेना और उसे सेलिनेट करना सिखाती है।

आंगनबाड़ी केंद्र का विधायक ने किया उद्घाटन

टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर सड़क हादसा, एक की मौत



आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरासावां जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटना में बेगुनाह लोग हादसा का शिक्कार हो रहे हैं। उधर एसपीडी डॉ बिमल कुमार के प्रयास से लोगों को जागरूक करने के लिए सड़क हादसा को लेकर जगरूकता अभियान चलाये जा रही हैं। उधर मंगलवार को आदित्यपुर थाना क्षेत्र के टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर केंद्र गाड़ के समीप सड़क हादसे में सनराइज एक्सेल निवासी स्कूटी सवार तिक्की का इलाज चल रहा है। मिली जाकरी के अनुसार आदित्यपुर की ओर जाने के दौरान स्कूटी सवार दंपत्ति अज्ञात वाहन के चेपेट में आ गया बित्ताया जाता है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन विभाग और ट्रैफिक पुलिस सड़क हादसों को लेकर गंभीर नहीं है। जिस वजह से आदित्यपुर थाना के सड़कों पर हादसे हो रहे

धनबाद/बोकारो/बेटमो

भाजपा दलितों की पीड़ा समझती है : अमर बाउरी



नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अखिल भारतीय हाड़ी संघर्ष मोर्चा ने अमर बाउरी का किया अग्रिंदन

आजाद सिपाही संवाददाता

अलकड़ीहा। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अनुवायियों को को जो समान 70 वर्षों में नहीं मिला था समाज देश के प्रधानमंत्री नंदेंगोरी ने अपने साथे नी साल के कार्यकाल में दलितों को दिलाने का काम किया है मोर्चे ने सरकरे पहले अनुसुचित जाति से गमनाध कोविंट को तथा जनजाति से पहलीबार द्वायपदी मुर्ख को राष्ट्रपति बनाकर समाज को समान दिया है। उक बातें मंगलवार को बीसीएसीएल अतिथि गृह में

अखिल भारतीय हाड़ी संघर्ष मोर्चा द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह को संवेदित करते भाजपा विधायक सह नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा। समारोह कि शुरुआत सविधान निर्माता भीम राव अंबेडकर के तस्वीर पर इन्द्रासुप्रिया अर्पित करने के बाद और सिंहासन दुर्घारते हुए कहा कि बाबा साहेब ने हमें शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो का नारा दिया था, उसपर हमें चलना है। समारोह की अव्यक्तता राजेश हाड़ी, सचालन नंदेंग हाड़ी व धनबाद ज्ञान गौतम हाड़ी ने ओढ़कर एवं गुलदस्त भेट कर दिया।

श्री बाउरी ने कहा कि भाजपा ही दलितों की पीड़ा को समझती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अंबेडकर काउंडेशन में समाज के बबन रावत को जगह नरेन्द्र मोर्चे ने अंबेडकर काउंडेशन में समाज के अंदर अपनी मंशा को साफ कर दिया है। अब अंबेडकर के सफान पूरा होता दिख रहा है। दलितों की 50 लाख की आवादी के अंदर

उन्हें विपक्ष का नेता बना कर यह समान हमें नहीं बल्कि समाज को मिला है। उन्होंने अंबेडकर के बातों को दुर्घारते हुए कहा कि बाबा साहेब ने हमें शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो का नारा दिया था, उसपर हमें चलना है। समारोह की अव्यक्तता राजेश हाड़ी, सचालन नंदेंग हाड़ी व धनबाद ज्ञान गौतम हाड़ी ने ओढ़कर एवं गुलदस्त भेट कर दिया।

समारोह को हाड़ी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अशोक राम, भाजपा प्रवक्ता सरोज सिंह, विरष्ट नेता योदेंद यादव, ब्रवण राय, ध्व राम हरी, उचित महो, सूरज हाड़ी, राकेश हाड़ी, रुपेश पासवान आदि ने संवेदित किया है। इस अवसरे पर बुशु के रास्तीय पूरा होता दिख रहा है। दलितों की श्री बाउरी ने सम्मानित किया।

बस्ताकोला स्थित अंबेडकर चौक पर भाजपाइयों ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता धनसार। बस्ताकोला रिथां अंबेडकर चौक पर मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष सह चंद्रनकियारी विधायक सह भाजपा अनुसुचित जाति मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष अमर बाउरी का स्वागत किया गया। वहाँ अमर बाउरी ने बाबासाहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो सभी समाज के बारे में सोचती है। सबका साथ सबका विकास की सोचती है। कांग्रेस ज्ञानुमोदी की लूट की सरकार की पोल खोलना ही हमारा लक्ष्य है। केंद्र की योजनाओं को अपनी भौमिका पर भ्रष्टाचार

की भेंट चढ़ने नहीं दिया जायेगा। मौके पर राजकुमार अग्रवाल, योदेंद यादव, उचित महो, रिक्ष शर्मा, बप्पी बाउरी, संतोष रवानी, रामदेव शर्मा, मनोज गोप, पपू पासवान, राहुल गुप्ता, राकेश यादव संतोष गोप उपरिथित थे।

महिला का शव मिला, पुलिस जांच में जुटी

आजाद सिपाही संवाददाता

तेनुघाट। तेनुघाट औपी थाना क्षेत्र के तेनुघाट कांजवे में एक बुजुर्ग महिला का शव पुलिस ने धनबाद किया है। उसकी पहचान नोमिया थाना क्षेत्र के गोमिया पोर्ट ऑफिस में निवासी रव्व त्रिवेणी राम का

पती मूर्ति देवी 65 वर्ष के रूप में हुई है। इस संबंध में तेनुघाट औपी के थाना प्रभारी आपोनी कुमार ने बताया कि दामोदर नदी के तेनुघाट कांजवे में महिला का शव पानी में फैला है। नदी में कैसे गिरी, इसकी जांच की जाएगी।

और स्थानीय तैराक से शव को बाहर निकाला। महिला की पहचान उसके परिजनों ने की। मूर्ति देवी का नैरह छपरगङ्गा गांव में है। शायद वह नैरह जा रही थी। नदी में कैसे गिरी, इसकी जांच की जाएगी।

श्रीश्री झरिया धनबाद गोशाला बस्ताकोला में दो दिव्यार्थी गोपाली मेला में आयोजित 103वां अधिवेशन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आज के दौरान में युवा डीप्रेशन के शिकायत हो रहे हैं। वैज्ञान और युगल ने प्रमाणित किया है की गौवरों के बीच में रहने वाले लोग स्वतः डीप्रेशन से छुटकारा पा सकते हैं।

वहाँ धनबाद संसद पीएन सिंह ने कहा कि गौवरों के बीच में रहने वाले लोगों का संस्कृति है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति कर रही है। इन्होंने कहा कि गौवरों के संस्कृति है। इन्होंने कहा कि गौवरों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि गौवरों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

लोग जिंदा रखे हुए हैं। इन्होंने महांगड़ में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के बीच में इसी भवाना को गोशाला समिति करें।

दूध, मुख व गोबर से गोवरियों का नाश हो रहा है। उन्होंने कहा कि हालोंगों की संस्कृति है। इन्होंने कहा कि हालोंगों के बीच में गोशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौवरों के

